Assignments for TEE December 2022 and for TEE June 2023

(बीए दर्शनशास्त्र द्वितीय वर्ष)

BPY-005 भारतीय दर्शन-II

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**
4. **यदि किसी प्रश्न में एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।**

1. वैशेषिक दर्शन में पदार्थों पर टिप्पणी लिखिए। 20

अथवा

आश्रम और सुधार आन्दोलनों के चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 20

2. चर्चा कीजिए, 10+10= 20

अ) विवेकानन्द का व्यावहारिक वेदान्त का विचार 10

आ) मोहम्मद इक़बाल की तत्त्वमीमांसा की मुख्य विशेषताएं 10

अथवा

"हम, भारत के लोग" वाक्यांश/कथनांश का दार्शनिक विश्लेषण कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

अ) मध्व की ईश्वर सम्बन्धी अवधारणा पर निबन्ध लिखिए। 10

आ) अरबिन्द की मन की अवधारणा की चर्चा कीजिए। 10

इ) सांख्य दर्शनपुरुष की सत्ता कैसे सिद्ध करता है? 10

ई) गांधी दर्शन में सत्याग्रह और अहिंसा के मध्य क्या सम्बन्ध है? चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) योग दर्शन में 'समाधि' की अवधारणा की चर्चा कीजिए। 5

आ) सत्कार्यवाद और असत्कार्यवाद के मध्य तुलना कीजिए। 5

इ) जवाहर लाल नेहरू का लोकतांत्रिक पंथनिरपेक्षतावाद/धर्मनिरपेक्षतावाद विचार क्या है? चर्चा कीजिए। 5

ई) भीमराव अम्बेडकर के जाति सम्बन्धी विचार पर टिप्पणी लिखिए। 5

उ) शंकर के दर्शन में अविद्या की अवधारना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

ऊ) "पंथनिरपेक्षवाद स्वतन्त्रता और सामाजिक व्यवस्था का प्रत्याभूतिकर्त्ता/जिम्मेवार (गारंटर) है" मूल्यांकन कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) टैगोर के मनुष्य सम्बन्धी विचार 4

आ) तारीक़ात 4

इ) काश्मीर-शैव दर्शन 4

ई) प्राच्य पुनर्जागरण (ऑरियन्टल रेनेसां) 4

उ) प्रमाण 4

ऊ) सामान्यलक्षण 4

ए) व्याप्ति 4

ऐ) निर्विकल्पक प्रत्यक्ष 4

BPY-006 तत्त्वमीमांसा

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**
4. **यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।**

अ) तत्त्वमीमांसा की परिभाषा एवं सीमाओं पर निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

निम्नलिखित पर लघु टिप्पणी लिखिए, 10+10= 20

अ) रूपकीय साम्यानुमान (मेटाफोरिकल एनालॉजी) 10

आ) असत्यता की समस्या 10

1. हेगेल की द्वन्द्वात्मक पद्धति पर टिप्पणी लिखिए। और इसकी तुलना सुकरात की द्वन्द्वात्मक पद्धति से कीजिए। 20

अथवा

के सी भट्टाचार्य के तत्त्वमीमांसा सम्बन्धी विचार की चर्चा एवं मूल्यांकन कीजिए। 20

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

अ) अरस्तू के दर्शन में द्रव्य की प्रकृति की चर्चा कीजिए। 10

आ) "भेद तादात्म्य का अभाव है" व्याख्या कीजिए। 10

इ) प्रश्न, शुद्ध जिज्ञासा, निर्णय और किसी का अनुभव, इनमें से आपके मत में तत्त्वमीमांसा का आरम्भ बिन्दु क्या है? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए। 10

ई) बीइंग (सत्) साररूप (एसेन्स) में एवं बीइंग (सत्) एस्स रूप में के मध्य तुलना कीजिए। 10

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) सामर्थ्य की सम्भावना पर लघु निबन्ध लिखिए। 5

आ) 'सत् का हमारा ज्ञान अन्तःप्रज्ञा का एक कार्य है" प्रमाणित कीजिए। 5

इ) काण्ट के सुन्दरता के विचार की मुख्य विशेषताएं बताईये। 5

ई) "सत्य पथविहीन भूमि है" जे. कृष्णमूर्ति के इस विचार का क्या तात्पर्य है। 5

उ) काश्मीर शैव दर्शन की पाशु की अवधारणा पर टिप्पणी लिखिए। 5

ऊ) क्या आप सोचते हैं कि आकस्मिकता अपना स्वयं का 'होना' रखती है? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए। 5

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) अमूर्तत्ता 4

आ) उदात्त 4

इ) पश्चवर्त्ती पद्धतु (रेटोर्टिवे मेथड) 4

ई) साक्षीभाव (*ईपोखे*) 4

उ) *अवधारणा* 4

ऊ) *अभाव* 4

ए) *सुइ जेनेसिस* 4

ऐ) *दासाइन* 4

BPY-007 नीतिशास्त्र

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. संकल्प दौर्बल्य (*Akrasia*) की समस्या क्या है? ऑगस्टीन इस समस्या को कैसे देखता और हल करता है? क्या आप सोचते हैं कि वह इस समस्या को हल करने में सफल हो पाया?20

अथवा

गांधी के नैतिक दर्शन पर निबन्ध लिखिए। 20

2. क्या आप सोचते हैं कि नैतिक सिद्धान्त सार्वभौमिक प्रकृति के होते हैं? व्यक्तिनिष्ठ, मन और सापेक्षतावादी दृष्टियों की इस विषय में मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

नैतिक दुविधा क्या है? सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   - अ) लैंगिक हिंसा पर टिप्पणी लिखिए। 10
   - आ) "आत्महत्या नैतिक रूप से गलत है" इस सिद्धान्त पक्ष को सिद्ध करने के लिए भिन्न-भिन्न युक्तियां दीजिए। 10
   - इ) मानव कृत्य की स्कॉलस्टिक समझ का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 10
   - ई) नैतिकता में तर्कबुद्धि एवं भावना (इमोशन) के भूमिका पर निबन्ध लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) कर्त्ता/अभिकर्त्ता का अभिप्राय/इरादा नैतिक कृत्य को कैसे निर्धारित करता है? 5
   - आ) संकल्प-स्वातन्त्र्य पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। 5
   - इ) जैन धर्म के नीतिशास्त्रीय सिद्धान्तों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5
   - ई) मानव कृत्य के घटक तत्त्वों क्या हैं? 5

उ) "आतंकवाद सामाजिक नीतिशास्त्र के लिए खतरा है" इस प्रतिज्ञप्ति का विश्लेषण कीजिए। 5

ऊ) अरस्तू के स्वर्णिम पथ पर टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) आर्य सत्य 4

आ) प्रज्ञा 4

इ) अहिंसा 4

ई) अपरिग्रह 4

उ) सद्‌गुण 4

ऊ) स्वधर्म 4

ए) पुरुषार्थ 4

ऐ) अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र 4

BPY-008 आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. तर्कवाद/बुद्धिवाद और अनुभवाद की मुख्य विशेषताओं पर टिप्पणी लिखिए। 20

अथवा

काण्ट के दिक् एवं काल के विचार की व्याख्या कीजिए और विश्लेषण कीजिए। 20

2. डेकार्ट के मनस-शरीर द्वैत की व्याख्या एवं विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

ऑगस्ट कोम्टे के सकारात्मक दर्शन के विचार की व्याख्या कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   अ) आगमन का विचार क्या है? ह्यूम आगमन के विचार की आलोचना किस तरह करते हैं? 10
   आ) काण्ट के अनुसार नैतिकता की आधारभूत मान्यताएं (पॉस्च्युलेट) क्या हैं? चर्चा कीजिए।10
   इ) सहज/जन्मजात प्रत्यय क्या है? लॉक सहज प्रत्यय की अवधारणा की आलोचना कैसे करता है?10
   ई) स्पिनोज़ा के ईश्वर के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   अ) लॉक सहजज्ञान/अन्तःज्ञान एवं निदर्शनात्मक ज्ञान के मध्य कैसे भेद करता है? 5
   आ) बर्कले के विचार "होना का अर्थ है देखा गया" की परीक्षा कीजिए। 5
   इ) "विचार सामग्री के बिना रिक्त हैं और सहजज्ञान के बिना अवधारणाएं दृष्टिहीन" काण्ट के इस विचार की व्याख्या कीजिए। 5
   ई) "मोनाड (चिदणु) गवाक्षहीन (खिड़की रहित) होते हैं।" संक्षिप्त व्याख्या कीजिए 5
   उ) पूर्व-स्थापित सामञ्जस्य के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 5

ऊ) 'मनस शरीर के प्रत्यय के रूप में' से स्पिनोजा का क्या आशय है? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100-100** शब्दों में लिखिए। 5*4= 20

अ) मार्क्स के दर्शन में अलगाव का विचार 4

आ) कारण-समानान्तरवाद (Causal Parallelism) 4

इ) *एक्स साइनिस* (*Ex signis*) 4

ई) ऐतिहासिक भौतिकवाद 4

उ) बेकन की वैज्ञानिक पद्धति 4

ऊ) तार्किक भाववाद 4

ए) हेगेल की द्वन्द्वात्मक पद्धति 4

ऐ) स्ट्रासन का तत्त्वमीमांसा सम्बन्धी विचार 4